



Utkarsh Sharma

06 Jan 2005

Model: Numerology-Report

Order No: 119074201

अंक ज्योतिष फल

Model: Numerology-Report

Order No: 119074201

Date: 13/08/2025

नाम	Utkarsh Sharma
जन्म तिथि	06/01/2005
मूलांक	6
भाग्यांक	5
नामांक	3
मूलांक स्वामी	शुक्र
भाग्यांक स्वामी	बुध
नामांक स्वामी	गुरु
मित्र अंक	3, 9, 5
शत्रु अंक	1, 8
सम अंक	2, 4, 7
मुख्य वर्ष	2022,2031,2040,2049,2058,2067,2076,2085
शुभ आयु	17,26,35,44,53,62,71,80
शुभ वार	शुक्र, गुरु, मंगल
शुभ मास	मार्च, जन, सित
शुभ तारीख	6, 15, 24
शुभ रत्न	हीरा
शुभ उपरत्न	जरकिन,ओपल
अनुकूल देव	देवी
शुभ धातु	रजत
शुभ रंग	श्वेत
मंत्र	ॐ द्रां द्रीं द्रौं सः शुक्राय नमः
शुभ यंत्र	शुक्र यंत्र

11	6	13
12	10	8
7	14	9

Vedic Wisdom Path

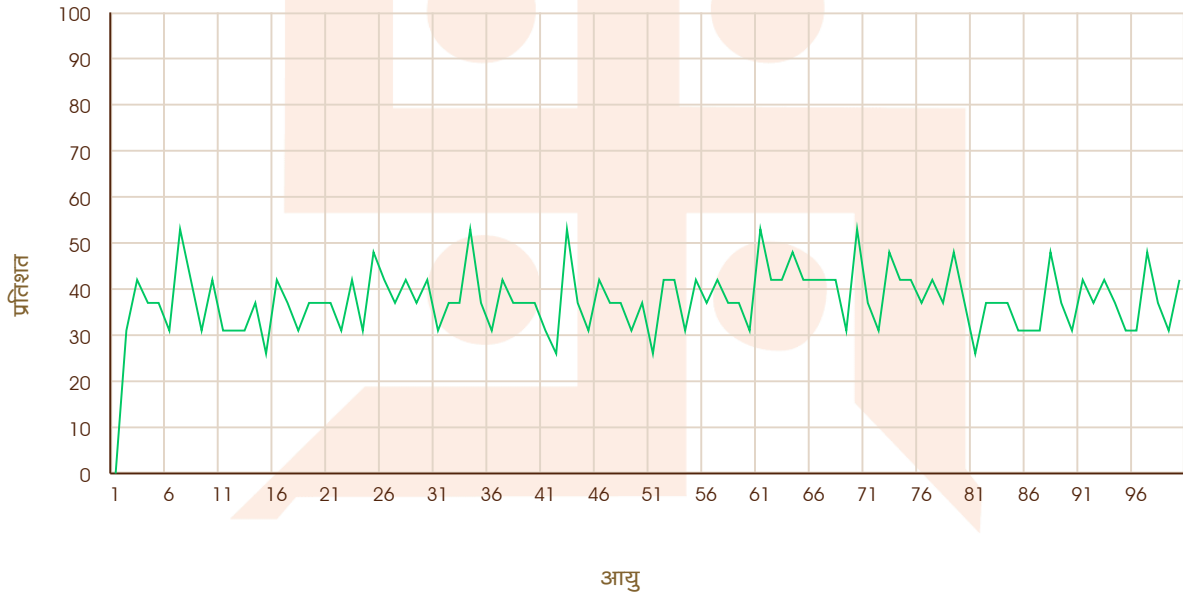
Hyderabad

9492523219

spvedicgyan@gmail.com

अंक जीवन ग्राफ

आपका मूलांक एवं भाग्यांक वर्ष के अंकों से एवं आयु के अंकों से जो संबंध बनाते हैं वे एक ग्राफ के रूप में नीचे दिए गए हैं। इस ग्राफ द्वारा आप यह साफ साफ जान सकते हैं कि कौन सा आयु का वर्ष आपके लिए लाभकारी हो सकता है या कौन सा वर्ष अनिष्टकारी हो सकता है। इस ग्राफ को बनाने के लिए मूलांक एवं भाग्यांक के आयु वर्ष एवं उनके अलग अलग अंकों से संबंध को लिया गया है। यदि ग्राफ में 60 से ऊपर नंबर आ रहे हैं तो वह वर्ष आपके लिए महत्वपूर्ण हो सकता है एवं जिसे 40 से कम नंबर प्राप्त हुए हैं वह वर्ष आपको कुछ कष्टदायक हो सकता है।



मुख्य वर्ष

2022,2031,2040,2049,2058,2067,2076,2085

शुभ आयु

17,26,35,44,53,62,71,80

Vedic Wisdom Path

Hyderabad

9492523219

spvedicgyan@gmail.com

अंक ज्योतिष फल

आपका जन्म दिनांक छः होने से अंक ज्योतिष के आधार पर आपका मूलांक छः होता है। इसका अधिष्ठाता शुक्र ग्रह है। मूलांक छः के प्रभाववश आप के अन्दर आकर्षण शक्ति तथा मिलन सारिता अधिक रहेगी। इस गुण के कारण आप लोक प्रियता प्राप्त करेंगे। सुन्दरता, सुन्दर वस्तुओं की ओर आकृष्ट होना आपकी सहज प्रवृत्ति होगी। विपरीत सेक्स के प्रति आपका आकर्षण रहेगा एवं सुन्दर नर-नारियों से संबंध बनाना, वार्तालाप करना आपकी प्रकृति में रहेगा।

विभिन्न कलाओं के क्षेत्र में आपकी अभिरुचि रहेगी एवं कला के क्षेत्र को आप अपना रोजगार-व्यापार भी बना सकते हैं। संगीत-साहित्य, ललितकला, चित्रकला इत्यादि में रुचि रखेंगे। सुन्दर वस्त्र धारण करना एवं सुसज्जित मकान में रहना आपको अच्छा लगेगा।

अतिथियों का आदर सत्कार करने में आपको गर्व महसूस होगा। घर या ऑफिस में सभी वस्तुएँ ढंग से सजावट के साथ रखना, सुरुचिपूर्ण फर्नीचर, परदे इत्यादि रखना आपको रास आयेगा।

स्वभाव में आपके थोड़ा हठीपन रहेगा एवं आपकी हमेशा यही कोशिश रहेगी कि आपकी बात को सामने वाला मान जाया करे। किसी बात पर अड़े रहना तथा ईर्ष्या की मात्रा आपके अन्दर अधिक रहेगी। आप कार्यक्षेत्र में किसी की प्रतिद्वन्दिता को आसानी से सहन नहीं कर पायेंगे। जिसके कारण कभी-कभी मानसिक तनाव एवं आत्मग्लानि का भी सामना करना पड़ेगा। आप दूसरों को अपना बना लेने की कला में पारंगत रहेंगे। शीघ्र मित्र बनाने की कला आपके अन्दर अधिक मात्रा में होने से आपके मित्रों की संख्या अधिक रहेगी।

भाग्यांक पाँच का स्वामी बुध ग्रह होने से आपका भाग्योदय स्व-बुद्धि विवेक द्वारा होगा। बुध वाणिज्य, व्यावसायिक कला का दाता है। गणित, लेखन, शिल्प, चिकित्सा, लेखा कार्यों में अच्छी प्रगति प्रदान करेगा। आपके अन्दर व्यापारिक कला अच्छी विकसित होगी। वाक् पटुता, तर्कशक्ति, बहुत बोलने की आदत रहेगी। आप रोजगार के क्षेत्र में नित नई स्कीम बनायेंगे जो आपकी तरक्की का मार्ग प्रशस्त करेंगी। वाणिज्य कला में आप काफी निपुण रहेंगे एवं रोजमर्रा के कार्यों को फुर्ती से पूर्ण करेंगे। दूसरों से कार्य निकलवाने में आप निपुण रहेंगे।

आपकी व्यवसायिक बुद्धि होने से धन संग्रह की ओर आप अधिक आकृष्ट रहेंगे एवं आवश्यकतानुसार वक्त-वे-वक्त के लिए धन एकत्रित करेंगे। आर्थिक क्षेत्र में आपकी स्थिति मध्यमोत्तम श्रेणी की रहेगी। कानून का आपको ठीक ज्ञान रहने से आप कार्यक्षेत्र में सभी कार्यों को बखूबी निभायेंगे तथा सामने वाले आपके ज्ञान के आगे नत-मस्तक होंगे।

आपका मूलांक 6 है तथा आपका भाग्यांक 5 है। मूलांक 6 का स्वामी शुक्र है तथा भाग्यांक 5 का स्वामी बुध है। मूलांक 6 और भाग्यांक 5 के बीच सम संबंध है। इसके प्रभाववश आपको मूलांक एवं भाग्यांक के मिलेजुले फल प्राप्त होंगे। आप चौंसठ कलाओं में से

किसी एकाधिक कला के द्वारा अपना रोजगार-व्यापार चलाने में निपुण रहेंगे। आपको कला के क्षेत्र में अच्छी उपलब्धि प्राप्त होगी तथा आप इनके माध्यम से प्रचुर मात्रा में धनार्जन करेंगे। स्वभाव से आप एक कोमल हृदय के व्यक्ति होंगे तथा समाज में आप शीघ्र घुलने-मिलने की कला में निपुण रहेंगे। धन संग्रह की ओर आपका रुझान कम तथा भौतिक सुख-साधनों की वस्तुओं को जोड़ने में अधिक रहेगा एवं इन पर आपके संग्रहित धन का एक बड़ा भाग व्यय हो जाया करेगा, हालांकि आपको जीवन में सभी प्रकार के भौतिक सुख-साधन उचित मात्रा में उपलब्ध होंगे। आपकी सामाजिक स्थिति काफी अच्छी रहेगी एवं आप अपने क्रिया-कलापों के द्वारा समाज में उच्च स्तर का मान-सम्मान तथा सुख-सुविधाएं प्राप्त करेंगे। आपकी जान-पहचान का क्षेत्र काफी विस्तृत रहेगा एवं संगठन, समूह, समाज में एक लोकप्रिय व्यक्ति के रूप में आप अपनी पहचान स्थापित करेंगे।

आपका भाग्योदय 23 वर्ष की अवस्था से प्रारंभ हो कर 32 वर्ष की अवस्था पर आपको विशेष उन्नति प्राप्त होगी तथा 41 वर्ष की आयु पर आपका पूर्ण भाग्योदय होगा।

आपके मूलांक 6 की मित्रता 3 एवं 9 से है तथा भाग्यांक 5 की मित्रता भी 3 एवं 9 से है। अतः आपके जीवन में 3, 5, 6, 9 के अंक विशेष महत्वपूर्ण रहेंगे। इनसे आपके जीवन में कुछ विशेष घटनाएं होंगी।

आपके मूलांक का आपके भाग्यांक से सम संबंध होने से मूलांक-भाग्यांक के प्रभाव न्यूनाधिक मात्रा में, आपके अनुरूप जाएंगे। आपके जीवन की प्रमुख घटनाएं इन्हीं अंकों की तारीखों मास, ईस्वी सन् या आयु के वर्षों में घटित होंगी। जब कभी इन्हीं अंकों की तारीख, मास वर्ष के साथ आपके लिए निर्धारित शुभ वार का भी मेल होता हो, तो ऐसा दिन आपके लिए विशेष फलदायी तथा किसी भी कार्य को प्रारंभ करने, पत्र लेखन, या उच्च अधिकारी/व्यक्ति से मिलने हेतु अधिक उपयुक्त रहेगा। आप अपने विगत जीवन में घटित घटनाओं का अवलोकन करेंगे, तो पाएंगे कि काफी घटनाएं इन्हीं अंकों के मास, वर्ष या दिन को घटित हुई होंगी।

अपने विगत जीवन में उपर्युक्त सभी अंकों का विश्लेषण करने के बाद जो अंक आपके अधिक अनुकूल जा रहे हों, उन्हीं अंकों के आधार पर भावी योजनाएं बनाना आपके लिए अधिक लाभप्रद रहेगा।

आपके लिए मार्च, मई, जून, सितंबर के माह विशेष घटनाक्रम वाले होंगे तथा आप कोई भी नया कार्य ऐसे ही दिन प्रारंभ करें, जब दिन, तारीख, मास तथा वर्ष आपके मूलांक तथा भाग्यांक के अंक से मेल स्थापित करें तथा एक ही स्थान पर सभी शुभ रहें।

मूलांक 6 एवं भाग्यांक 5 के प्रभाववश ईस्वी सन्, जिनका योग 3, 5, 6, 9 होता है, आपके लिए विशेष घटनाक्रम वाले होंगे।

इसी प्रकार आपकी अवस्था के ऐसे वर्ष, जिनका योग 3, 5, 6, 9 होता है, आपके लिए शुभ फलदायक रहेंगे।

3 . 12, 21, 30, 39, 48, 57, 66, 75

5 . 14, 23, 32, 41, 50, 59, 68

6 . 15, 24, 33, 42, 51, 60, 69

9 . 18, 27, 36, 45, 54, 63, 72

उपर्युक्त वर्ष आपके जीवन में परिवर्तनकारी रहेंगे। इन वर्षों में कुछ प्रमुख घटनाएं घटित होंगी, जो आपके जीवन की दशा बदलेंगी तथा कुछ घटनाएं यादगार बन जाएंगी।



नामांक विचार

संसार में नाम नहीं तो कुछ भी नहीं। मनुष्य का सही नाम ही गगन चुम्बी होता है। सही फलदायी नाम से ही मनुष्य देश-विदेश में प्रसिद्धि पाता है। अतः हमेशा ऐसे नाम का चुनाव करना चाहिए जो आपको समाज में यश, कीर्ति तथा प्रतिष्ठा प्रदान करे और सदियों तक समाज में आदर के साथ याद किया जाए। आपका नाम आपके भाग्य व प्रतिष्ठा को बढ़ाने में कितना साथ दे रहा है निम्न गणना से आप जान सकते हैं एवं नाम को ठीक कर अपने भाग्य की वृद्धि कर सकते हैं।

Utkarsh Sharma

6+4+2+1+2+3+5 3+5+1+2+4+1

नाम का योग : 39 नामांक : 3

आपके नाम का कुल योग उन्तालीस होता है। तीन एवं नौ के योग से बारह तथा एक एवं दो के योग से तीन आपका नामांक होता है। तीन का स्वामी बृहस्पति, नौ का मंगल एवं दो का स्वामी चन्द्र है। इन तीनों ग्रहों के गुण-अवगुण आपके नाम को प्रभावित करते रहेंगे। आप एक बुद्धिमान, विद्वान व्यक्ति के रूप में ख्याति अर्जित करेंगे। चन्द्र के प्रभाव से आपका नाम उतार-चढ़ाव वाला रहेगा। मंगल के प्रभाव से साहसिक कार्यों के द्वारा आपका नाम रोधन होगा। गुरु आपके नाम को विस्तृत क्षेत्र में फैलाएगा। लेखन-पठन के कार्यों में आपकी विशेष रुचि रहेगी। आप एक सामाजिक कार्यकर्ता एवं धार्मिक व्यक्ति के रूप में पहचाने जाएंगे। आप दूसरों को सही सलाह देने वाले व्यक्ति के रूप में अपनी पहचान स्थापित करेंगे। युवावस्था की अपेक्षा वृद्धावस्था में आपका नाम काफी लोकप्रियता को प्राप्त करेगा।

आपके नाम का नामांक 3 है। इसके आपके मूलांक 6 से मित्र संबंध तथा भाग्यांक 5 से सम संबंध होने के कारण आपको अपने जीवन में मूलांक स्वामी के प्रभाव से पूर्ण सफलता प्राप्त होगी। अपनी मेहनत द्वारा आप सामाजिक क्षेत्र में अपनी लोकप्रियता स्थापित करने में सफल रहेंगे। अपने मित्रों, रिश्तेदारों में आप लोकप्रियता प्राप्त करेंगे। जिस क्षेत्र में आप कार्यरत रहेंगे वहाँ के अन्य सहयोगियों का आपको भरपूर सहयोग प्राप्त होगा एवं अपने विभाग में आप लोकप्रियता को प्राप्त करेंगे। आपके जीवन में आपका नाम काफी ऊँचाइयों को प्राप्त करेगा तथा मान-सम्मान आपको समुचित मात्रा में प्राप्त होगा। भाग्यांक के साथ सम संबंध होने से भाग्य का सहारा आपको अधिक प्राप्त नहीं होगा। इस हेतु आप यदि अपने नाम में परिवर्तन के इच्छुक हों तो ऐसे नाम के अक्षरों का चुनाव करें जिसके अंक मूलांक एवं भाग्यांक दोनों से ही अच्छा तालमेल स्थापित कर सकें।

आपका नामांक आपके मूलांक 6 से मिलान करता है लेकिन भाग्यांक 5 से मिलान नहीं हो रहा है। जिसके प्रभाव से भाग्य के क्षेत्र में आपको थोड़ी-बहुत परेशानियाँ आ सकती हैं। आपको अपने नाम को भाग्यांक से भी मिलान करना हितकर रहेगा। आप ऐसे नाम का चुनाव कर सकते हैं जिसका नामांक आपके मूलांक तथा भाग्यांक से मिलान करे एवं उसका नामांक 9 आता हो और 1 न हो तो ऐसा नाम आपके लिए शुभ फलदायक रहेगा

तथा आपकी उन्नति में चार-चांद लगायेगा। नाम परिवर्तन हेतु आपके लिए 5,3,6 अंक अच्छे रहेंगे तथा 2,4,8 अंक ठीक नहीं रहेंगे।

नाम में परिवर्तन करने हेतु अंग्रेजी वर्णाक्षरों को अंकों में परिवर्तन करने की विधि उदाहरण सहित नीचे दी जा रही है। जिसकी सहायता से आप आसानी से नाम परिवर्तन अथवा नाम में वांछित संशोधन कर अपने अनुकूल नामांक बना सकते हैं। नाम परिवर्तन से आप मूलांक तथा भाग्यांक के साथ-साथ अपने नाम को सार्थक कर सकेंगे।

A B C D E F G H I J K L M N O P Q R S T U V W X Y Z

1 2 3 4 5 8 3 5 1 1 2 3 4 5 7 8 1 2 3 4 6 6 6 5 1 7

उदाहरणार्थ:-

एक अंक घटना:-

GANESHA

$$3+1+5+5+3+5+1=23=5$$

GANESH

$$3+1+5+5+3+5=22=4$$

एक अंक :-

RAM

$$2+1+4=7$$

RAMA

$$2+1+4+1=8$$

दो अंक :-

BINDRA

$$2+1+5+4+2+1=15=6$$

BRINDRA

$$2+2+1+5+4+2+1=17=8$$

तीन अंक :-

RAMCHAND

$$2+1+4+3+5+1+5+4=25=7$$

RAMCHANDRA

$$2+1+4+3+5+1+5+4+2+1=28=9$$

चार अंक :-

KRISHNA

$$2+2+1+3+5+5+1=19=1$$

KRESHNA

$$2+2+5+3+5+5+1=23=5$$

पाँच अंक :-

TEWARI

$$4+5+6+1+2+1=19=1$$

TIWARI

$$4+1+6+1+2+1=15=6$$

छः अंक :-

AGGARWAL

$$1+3+3+1+2+6+1+3=20=2$$

AGARWAL

$$1+3+1+2+6+1+3=17=8$$

अंक ज्योतिष उपाय विचार

अनुकूल समय

शुक्र दिनांक 21 अप्रैल से 21 मई तक तथा 24 सितंबर से 13 अक्टूबर तक सूर्य, पाश्चात्यमतानुसार, वृष तथा तुला राशि में रहता है, जो भारतीय मतानुसार 13 मई से 14 जून तथा 17 अक्टूबर से 13 नवंबर तक का समय होता है। यह शुक्र की स्वराशि है। 14 मार्च से 12 अप्रैल तक मीन राशि से शुक्र उच्च का होता है। अतः उपर्युक्त समय मूलांक छह के लिए कोई भी नया कार्य या महत्वपूर्ण कार्य करने हेतु अधिक उपयुक्त रहता है।

अनुकूल दिवस

आपके लिए शुक्रवार, मंगलवार एवं गुरुवार के दिन शुभ रहेंगे और यदि आपकी शुभ तारीखों में शुक्रवार, मंगलवार एवं गुरुवार पड़ रहा हो तो ऐसी तारीखें एवं दिन आपके लिए विशेष फलदायी सिद्ध होंगे।

शुभ तारीखें

आपके लिए अंग्रेजी माह की 3, 6, 9, 12, 15, 18, 21, 24, 27 एवं 30 तारीखें किसी भी प्रकार का पत्र व्यवहार या किसी उच्चाधिकारी से संबंध या कोई भी व्यवसाय संबंधी नया कार्य प्रारंभ करने हेतु अधिक उपयुक्त तथा विशेष फलदायक रहेंगी।

अशुभ तारीखें

आपके लिए कोई भी महत्वपूर्ण कार्य, रोजगार-व्यापार संबंधी कार्य, पत्र व्यवहार संबंधी कार्य प्रारंभ करने हेतु 1, 8, 10, 17, 19, 26 एवं 28 तारीखें में शुभ नहीं है। अतः आप इन दिवसों में कोई भी कार्य प्रारंभ करने की भूल न करें। यही आपके लिए उचित रहेगा।

मित्रता या साझेदारी

आप केवल उन्हीं व्यक्तियों से अधिक मित्रता रखें जिनका जन्म 3, 6, 9, 12, 15, 18, 21, 24, 27 एवं 30 तारीखों में अथवा 13 मई से 14 जून 12 अक्टूबर से 13 नवंबर एवं 14 मार्च से 13 अप्रैल के बीच हुआ हो। ऐसे व्यक्ति सुख एवं दुख के समय में भी अपनी मित्रता का परिचय देंगे तथा आपके रोजगार-व्यापार में भी सहायक होंगे।

प्रेम संबंध एवं विवाह

जिन महिलाओं का जन्म 3, 6, 9, 12, 15, 18, 21, 24, 27 एवं 30 तारीख को हुआ हो तथा जिनका मूलांक 3, 6, 9 हो, ऐसी महिलाएं आपके लिए प्रेम संबंध या विवाह संबंध हेतु उचित रहेंगी तथा आपके रोजगार आदि में भी आपको सफलता के शिखर पर पहुंचाएंगी।

अनुकूल रंग

आपके लिए शुभ रंग हल्का नीला, आसमानी, गहरा नीला, हल्का गुलाबी होने चाहिए। नीला हल्का नीला होना चाहिए और हो सके तो घर की दीवारें, चादर आदि का चुनाव भी इन्हीं रंगों के अनुरूप ही करें और यदि स्वास्थ्य में अच्छा परिवर्तन लाना हो तो इन्हीं रंगों के वस्त्र पहनें और हो सके तो इन्हीं रंगों में से किसी एक रंग का रुमाल हर समय अपने पास रखें, जो आपके लिए विशेष फलदायी रहेगा।

वास्तु एवं निवास

यदि आप स्वयं का भवन निर्माण के इच्छुक हैं तो इसके लिए आवश्यक है कि आप सही दिशा का चयन करें। आपके लिए अग्नि कोण दिशा उत्तम रहेगी। मकान क्रमांक 3, 6, 9 हो तो श्रेष्ठ रहेगा। आप शहर के अग्नि कोण क्षेत्र या भवन के अग्नि कोण क्षेत्र में निवास करें। वह आपके लिए उत्तम रहेगा। अतः आप अपने रोजगार संबंधी कार्यों को करते समय भी इन्हीं दिशाओं का चुनाव करें जो आपके लिए श्रेष्ठ फलदायक रहेगा। भवन का रंग, फर्नीचर का रंग हल्का नीला, आसमानी रखना श्रेष्ठ रहेगा।

शुभ वाहन नं

यदि आप चाहते हैं कि आपकी यात्रा मंगलमय हो तो यात्रा के समय उन्हीं अंकों का चुनाव करें जो आपके मूलांक तथा मूलांक के मित्र अंक से मेल स्थापित करें। मूलांक 6 के मित्र अंक 3, 9 हैं। अतः आप यात्रा वाहन, रेलवे सीट में इन्हीं अंकों का चुनाव करें और रहने के लिए कमरे का चयन करते समय नंबर 105 = 6 आदि होना उचित है। अगर आप स्वयं का वाहन खरीदते हैं तो उसका पंजीकरण क्रमांक 3, 6 एवं 9 ही होने चाहिए। जैसे अंक 5235 = 6 इत्यादि। ऐसा वाहन आपको अच्छा फलेगा।

स्वास्थ्य तथा रोग

जब भी आपके जीवन में रोग की स्थिति आएगी, आपको फेफड़ों से संबंधित रोग, धातु क्षीणता, स्नायु निर्बलता, सीने की कमजोरी, मूत्र रोग, कफ जनित रोग, कब्जियत तथा जुकाम जैसे रोग पीड़ा प्रदान करेंगे। रोग होने, अशुभ समय आने, कष्ट तथा विपत्ति के समय आपको कार्त्तवीर्यजुन की पूजा एवं उपासना करनी चाहिए। स्त्री जातकों को संतोषी माता का व्रत करना चाहिए।

व्यवसाय

रेस्टोरेंट, होटल, ढाबे, भोजनालय, शिल्पकार, डिजायनर, महाजनी कार्य, संगीतज्ञ, उपन्यासकार, नाट्यकार, कहानीकार, बागवानी, वस्त्र व्यवसायी, अभिनेता, इत्र, तेल और अन्य तेलीय पदार्थों के विक्रेता, पुष्प विक्रेता, वस्त्राभूषण व्यवसाय, रेशम, टेरीलीन, टेरीन, ऊनी वस्त्रादि के विक्रेता, मिष्ठान व्यवसाय, घड़ीसाजी, नृत्याभिनय और काव्य तथा साहित्योपार्जन, सार्वजनिक कार्य, समाज सेवा, दास वृत्ति, यातायात, मुद्रणालय, खाद्य विभाग संबंधी समस्त कार्य।

व्रतोपवास

शुक्रवार को शुक्र अरिष्ट दोष निवारण हेतु व्रत करें। इक्कीस या इक्कीस शुक्रवारों को शुक्र का व्रत करें। सफेद वस्त्र धारण करें एवं सफेद वस्तुओं का दान करें। यथाशक्ति शुक्र मंत्र का स्फटिक माला पर जप करें।

अनुकूल रत्न या उपरत्न

आप हीरा धारण करें। यदि आप हीरा नहीं खरीद सकते तो ओपल, सफेद पुखराज, झरकन धारण करें। 51 सेंट का हीरा आप शुक्ल पक्ष में, शुक्रवार के दिन लाभ के चौघड़िया मुहूर्त में, प्लेटिनम या चांदी की अंगुठी में, दायाँ हाथ की अनामिका उंगली में त्वचा को स्पर्श करता हुआ धारण करें।

अनुकूल देवता

आप शुक्र ग्रह की उपासना करें, अथवा भगवती दुर्गा की आराधना करें भगवती दुर्गा के अष्टाक्षरी मंत्र 'ओम् ह्रीं दुं दुर्गायै नमः' का नित्य जप करें। प्रतिदिन कम से कम एक सौ आठ मंत्र का जप करें तथा अष्टमी के दिन व्रत करें एवं दुर्गा सप्तशती का पाठ करेंगे तो आप विभिन्न रोगों और समस्याओं से मुक्त होंगे। यदि यह संभव न हो सके तो भगवती दुर्गा के चित्र का ही नित्य प्रातः दर्शन कर लिया करें।

ग्रह गायत्री मंत्र

आपके लिए शुक्र के शुभ प्रभावों की वृद्धि हेतु, शुक्र के गायत्री मंत्र का प्रातः स्नान के बाद ग्यारह, इक्कीस या एक सौ आठ बार जप करना लाभप्रद रहेगा।

शुक्र गायत्री मंत्र - ॐ भृगुजाय विद्महे दिव्यदेहाय धीमहि तन्नो शुक्रः प्रचोदयात् ।।

ग्रह ध्यान मंत्र

प्रातःकाल उठ कर आप शुक्र का ध्यान करें, मन में शुक्र की मूर्ति प्रतिष्ठित करें और तत्पश्चात् निम्न मंत्र का पाठ करें।

हिमकुंदमृणालाभं दैत्यानां परमं गुरुम्।

सर्वशास्त्रप्रवक्तारं भार्गवं प्रणमाम्यहम् ।।

ग्रह जप मंत्र

अशुभ शुक्र को अनुकूल बनाने हेतु शुक्र के मंत्र का जप करना चाहिए। नित्य कम से कम एक माला एक सौ आठ जप करने से वांछित लाभ मिल जाते हैं। पूरा अनुष्ठान एक सौ साठ माला का है। मंत्र जप का प्रत्यक्ष फल स्वयं देख सकेंगे।

ॐ द्रां द्रीं द्रौं सः शुक्राय नमः ।। जप संख्या 16000 ।।

वनस्पति धारण

आप शुक्रवार के दिन, एक इंच लम्बी सरफोंखा की जड़ ला कर, सफेद धागे में लपेट कर, दाहिने हाथ में बांधे या प्लेटिनम या चांदी के ताबीज में भर कर गले में धारण करें। इससे शुक्र के अशुभ प्रभाव कम होंगे तथा शुभ प्रभावों में वृद्धि होगी।

वनस्पति स्नान

आपके लिए प्रत्येक शुक्रवार को एक बाल्टी या बर्तन में हरड़, बहेड़ा, आंवला, इलायची, केसर और मैन्सील आदि औषधियों का चूर्ण कर, पानी में डाल कर स्नान करना सभी प्रकार के रोगों से मुक्तिदायक रहेगा। हर्बल स्नान से आपकी त्वचा की कांति में वृद्धि होगी। अशुभ शुक्र के प्रभाव क्षीण हो कर आपके तेज एवं प्रभाव में वांछित लाभ प्राप्त होगा। सभी ग्रहों की शांति के लिए आपको कूठ, खिल्ला, कांगनी, सरसों, देवदारु, हल्दी, सर्वोषधि तथा लोध को मिला कर, चूर्ण कर, किसी तीर्थ के पानी में मिला कर भगवान का स्मरण करते हुए स्नान करें तो ग्रहों की शांति और सुख-समृद्धि प्राप्त होगी।

दान पदार्थ

शुक्र की शांति के लिए योग्य व्यक्ति को शुक्र के पदार्थ चांदी, सोना, चावल, घी, सफेद वस्त्र, सफेद चंदन, हीरा, सफेद अश्व, दही, गंध द्रव्य, चीता, गौ, भूमि आदि का दान करना लाभप्रद रहेगा।

यंत्र

शुक्र को अनुकूल बनाए रखने हेतु शुक्र यंत्र को भोज पत्र पर अष्टगंध (केशर, कपूर, अगर, तगर, कस्तूरी, अंबर, गोरोचन एवं रक्त चंदन या श्वेत चंदन) स्याही से लिख कर, सोने या तांबे के ताबीज में, धूप-दीप से पूजन कर, सोने की जंजीर या पीले धागे में, शुक्रवार को शुक्ल पक्ष में प्रातःकाल धारण करें।